कोर्ट ने अभियोजन शिकायत और अन्य दस्तावेज की कॉपी उन्हें देने के निर्देश दिए

आदिम जाति कल्याण विभाग के पूर्व उप निदेशक, जगदीश प्रसाद सरवटे के खिलाफ चालान पेश

हरिभूमि जबलपुर।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भोपाल ने मध्य प्रदेश सरकार के आदिम जाति कल्याण विभाग के पूर्व उप निदेशक, जगदीश प्रसाद सरवटे के खिलाफ अपराध से आय अर्जित करने के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002 के तहत विशेष न्यायालय पीएमएलए, जबलपुर के समक्ष चालान पेश किया है। ईडी ने सरवटे के खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर की थी। न्यायालय के पूर्व आदेश पर जगदीश सरवटे हाजिर हुए। कोर्ट ने अभियोजन

शिकायत और अन्य दस्तावेज की कॉपी उन्हें देने के निर्देश दिए। दरअसल, ईडी ने आर्थिक अपराध विंग, जबलपुर द्वारा भ्रष्टाचार की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। सरवटे पर आरोप है कि उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में कार्य करते हुए एक जनवरी 2015 से 20 जून 2025 की अवधि के दौरान, अपनी आय के ज्ञात स्रोतों के अनुपात से अधिक संपत्ति अर्जित की।

जांच के दौरान, यह पता चला कि आरोपी ने भ्रष्ट तरीकों से 'अपराध से अर्जित आय' उत्पन्न की थी और बाद में अवैध नकदी को बैंकिंग प्रणाली में डालकर भोपाल, मंडला, उमरिया और सिवनी जिलों में स्थित कई अचल संपत्तियों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को खरीदने में निवेश किया। ईडी ने कुल 11.81 करोड़ रुपये (लगभग) की 'अपराध से अर्जित आय' की पहचान की है, जो उन संपत्तियों का मूल्य दर्शाती है जिनमें अवैध धन का निवेश किया गया था। फरवरी 2026 में समतुल्य मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया गया था। ईडी ने जांच में यह स्थापित किया है कि जगदीश प्रसाद सरवटे ने जानबूझकर 'अपराध से अर्जित आय' को अर्जित किया, अपने कब्जे में रखा, छिपाया और उसका उपयोग किया, तथा उसे बेदाग संपत्ति के रूप में प्रदर्शित किया।

स्टेट बार मतदाता सूची में सुधार नहीं तो होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। इससे पूर्व विगत दिनों प्रारंभिक मतदाता सूची जारी की गई। हाई कोर्ट व जिला बार के पदाधिकारियों ने सैकड़ों वकीलों के साथ चुनाव अधिकारी व सचिव के समक्ष पहुंचकर आपत्ति दर्ज कराई। उनका आरोप है कि 2026 की प्रारंभिक मतदाता सूची 2019 की फाइनल लिस्ट को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई है। यदि इस गलती का समय रहते सुधार नहीं हुआ तो वकील प्रदेशव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। हाई कोर्ट बार के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, सचिव परितोष त्रिवेदी व जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि जो प्रारंभिक मतदाता सूची जारी की गई है, उसमें प्रदेश के हजारों अधिवक्ताओं के नाम जुड़ने से वंचित रह गए हैं। लिहाजा, दावे-आपत्ति हेतु समय कम से कम 15 दिन बढ़ाया जाए। साथ ही जिन अधिवक्ताओं के नाम नहीं जुड़े हैं, उनके नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। दरअसल, एमपी स्टेट बार के 2019 के इलेक्शन की जो प्रारंभिक मतदाता सूची जारी हुई थी उसके आधार पर 2026 की लिस्ट तैयार की गई है, 2019 की फाइनल लिस्ट को ध्यान में नहीं रखा गया। यदि किसी भी अधिवक्ता को जो मतदान करने हेतु पात्र है, उसका नाम वोटर लिस्ट से हटाया गया तो वकील आंदोलित हो जाएंगे।

24 मार्च को नरसिंह मंदिर से शुरू होगी रैली, पीत वस्त्रों में जयघोष करेंगी मातृशक्ति

श्रीराम नवमी से पूर्व निकलेगी नारी शक्ति की विशाल स्कूटर रैली

जबलपुर। श्रीराम नवमी के पावन अवसर से पूर्व इस वर्ष नारी शक्ति का भव्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में 24 मार्च को मातृशक्ति द्वारा एक विशाल स्कूटर वाहन रैली निकाली जाएगी, जो परंपरागत श्रीराम शोभायात्रा (27 मार्च) से पहले आयोजित होगी।रैली को लेकर आज नरसिंह मंदिर में श्री सनातन धर्म महासभा महिला मंडल एवं विभिन्न मंदिरों के महिला मंडलों की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक श्रीमद् जगतगुरु डॉ. स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज के सानिध्य एवं महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, गुलशन मखीजा और लक्की भाटिया की उपस्थिति में संपन्न हुई।महिला मंडल की संयोजक नीता चावला, गीता पांडे, डॉ. वाणी अहलुवालिया, पार्षद राजनी साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि रैली में विभिन्न समाजों की महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर अपने-अपने वाहनों पर सवार होकर भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ शामिल होंगी।आयोजकों के अनुसार रैली नरसिंह मंदिर से प्रारंभ होकर आदि शंकराचार्य चौक, गोरखपुर बाजार, श्री कृष्ण मंदिर गोरखपुर द्वार, कटंगा तिराहा, नर्मदा रोड, हांडा पेट्रोल पंप के आगे से रतन कॉलोनी, दुर्गा मंदिर, हाथीताल होते हुए श्रीराम मंदिर मदन महल में समापन होगा।आयोजन से जुड़ी इंदुलता प्यासी, सीमा सिंह, रुचि गुलाटी, सुषमा कोहली, नीतू सोनी और पूजा खेड़ा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने शहर की सभी बहनों से इस भव्य रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

इंडियन कॉफी हाउस में सांसद आशीष दुबे का अभिनंदन, 5236 करोड़ की परियोजना की स्वीकृति से जबलपुर का दक्षिण भारत से सीधा जुड़ाव होगा

जबलपुर-गोंदिया रेलवे दोहरीकरण से खुलेंगे विकास के नए द्वार

जबलपुर, हरिभूमि।

शहर के करमचंद चौक स्थित प्रसिद्ध इंडियन कॉफी हाउस में जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे का भव्य सम्मान एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन कॉफी हाउस संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, संस्था के सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद आशीष दुबे ने इंडियन कॉफी हाउस की ऐतिहासिकता और जबलपुर की सांस्कृतिक विरासत में इसके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्था के विकास और कर्मचारियों के हितों के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।समारोह के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने सांसद का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

सांसद दुबे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंडियन कॉफी हाउस का जबलपुर से 68 वर्षों का गहरा संबंध है और यह उनके परिवार की तरह है।अपने संबोधन में उन्होंने जबलपुर–गोंदिया रेलवे लाइन के दोहरीकरण को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे जबलपुर का दक्षिण भारत से सीधा जुड़ाव मजबूत होगा और नए आर्थिक अवसरों के द्वार खुलेंगे। उन्होंने बताया कि 5236 करोड़ रुपये से अधिक की इस परियोजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का विशेष आभार है, जिन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझते हुए यह निर्णय लिया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा किया गया। अध्यक्ष के. राजगोपालन ने सांसद का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जबलपुर विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। सचिव एम. प्रकाशन ने आभार प्रदर्शन किया, वहीं सीनियर जनरल मैनेजर वी.एम. बाबू ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर संस्था के अन्य सदस्य, कर्मचारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वासंतेय नवरात्र पर मंदिरों में लगी कतार

शहर में बह रही शक्ति की भक्ति की बयार

हरिभूमि जबलपुर।

वासंतेय नवरात्र पर्व के तृतीय दिन माँ देवी के तृतीय स्वरूप चन्द्रघंटा की उपासना आराधना की गई। आज चौथे दिन देवी के चौथे स्वरूप कूष्मांडा माता की आराधना की जाएगी। वासंतेय नवरात्र पर्व पर शहर में धर्म भक्तिभाव की बयार बह रही है। देवी मंदिरों में दुर्गा सप्तसती के पाठ चल रहे हैं तो अनेक स्थानों पर देवी महापुराण चल रहे हैं। देवी के जगराते भी अनेक धार्मिक संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जा रहे हैं। वासंतेय नवरात्र पर्व पर अलसुबह से ही मंदिरों में जल ढारने के लिये भक्तों की कतारें लग रही हैं। देवी मंदिरों में पूजन अनुष्ठान, भजन मण्डलियों का कीर्तन गान और भक्ति संगीत के बीच महाआरती के आयोजनों ने शहर को भक्तिभाव में डुबा दिया है।

शहर के अति प्राचीन बड़ी खेरमाई मंदिर भानतलैया, छोटी खेरमाई राईट टाऊन, छोटी देवन दीक्षितपुरा काली दरबार सदर, मक्रवाहिनी मंदिर पानदरीबा, श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ मंदिर मढ़ाताल, श्री त्रिपुर सुंदरी मंदिर तेवर में श्रद्धालुओं की भीड़ लग रही है। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ मढ़ाताल में 1001 अखण्ड ज्योति कलश प्रज्वलित किये गये हैं। यहां आचार्य विद्वानों द्वारा दुर्गा सप्तसती का पाठ निरंतर किया जा रहा है। सुबह शाम मां पीताम्बरा का अर्चन और महाआरती की जा रही है। चारखम्बा स्थित बूढ़ी खेरमाई मंदिर में भी धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला चल रहा है। बड़ी खेरमाई मंदिर भानतलैया में रात के द्वितीय पहर से ही श्रद्धालु भक्तों का पहुंचना प्रारंभ हो गया है। माँ भगवती के तीसरे स्वरूप चन्द्रघंटा का पूजन सुबह से देर रात तक किया गया। आचार्य देवेन्द्र पोद्दार बताते हैं कि मैया चन्द्रघंटा के ललाट पर आधे चन्द्रमा की आकृति अंकित है और ऐसी धार्मिक मान्यता है कि माँ चन्द्रघंटा का पूजन पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ करने पर आसुरी शक्तियों और बुरी प्रवृत्तियों का विनाश हो जाता है और मनुष्य का जीवन खुशियों और आनंद से भर जाता है।

रंगदारी वसूलने अमखेरा में वारदात

बिल्डर पर अज्ञात बदमाशों ने चलाए चाकू

जबलपुर। गोहलपुर थाना अतंर्गत आस्था परिसर न्यू रामनगर में गोकुलधाम सोसाइटी में बदमाशों ने बिल्डर संदीप गुप्ता पर चाकुओं से हमला कर दिया। घटना उस वक्त हुई जब बिल्डर सुशीला परिसर स्थित अपनी साइट से काम देखने के बाद दोपहिया वाहन में लौट रहे थे। बदमाशों ने उनसे शराब पीने के लिए रुपए मांगे, मना करने पर चाकूओं से हमला कर दिया । हमले में घायल बिल्डर को दमोहनाका स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिल्डर 50 वर्षीय संदीप गुप्ता सुशीला परिसर स्थित अपनी साइट से दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह सुशीला परिसर गेट के पास पहुंचे, वहां मौजूद तीन अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। संदीप गुप्ता ने जब पैसे देने से मना किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर एक युवक ने चाकू निकालकर उनकी दोनों जांघों पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले के बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। गोहलपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 118(1), 119(1), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रैबीज का इंजेक्शन लगते ही मासूम की मौत

जबलपुर। मझगवां थाना अतंर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में श्वान के काटने के बाद 2 साल की मासूम बच्ची को रैबीज इंजेक्शन लगने के बाद तबियत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया। आक्रोशित लोगों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मझगवां थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मझगवां निवासी दिनेश वंशकार की 2 वर्षीय बेटी को श्वान ने काट लिया था, जिसके बाद उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उसे एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया गया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के बाद बच्ची की हालत बिगड़ती गई, लेकिन समय पर उचित उपचार नहीं मिल सका जिससे उसकी मौत हो गई। इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो जाने से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए जांच का आश्वासन दिया है।

लोडिंग वाहन में मवेशी चुराने का प्रयास

जबलपुर। अधारताल थानांतर्गत गौवंशीय पशुओं को लोडिंग वाहन में चुराने का प्रयास करते आरोपियों को क्षेत्र के लोगों ने घेर लिया जो भीड़ का लाभ उठाकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में निर्भय नगर कबीर कुटी निवासी 31 वर्षीय शेख हुसैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से पशु पालक शेख हुसैन ने पुलिस को बताया कि गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे मौहल्ले में शोर सुनाई देने पर वह बाहर निकला। उसके भाई तौसीफ मंसूरी ने उसे बताया कि भट्टा मैदान में चर रहे उसके पांच गौवंशीय पशु को कसाई मंडी निवासी आरोपी समीर, मोहसिन उर्फ बल्लू एवं चांद लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 20 जेड एक्स 5997 में चोरी कर ले जा रहे थे। उसके भाई तौसीफ एवं मौहल्ले के लोगों ने आरोपियों को घेरा तो वे वाहन और पशुओं को छोड़ भाग गए। रिपोर्ट पर धारा 303(2), 62 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर, क्षतिग्रस्त लोडिंग वाहन को जब्त करते हुए प्रकरण विवेचना में लिया गया।

शहर की सुंदरता और सुरक्षा दोनों से हो रहा खिलवाड़

हवा-पानी में होर्डिंग्स पोस्टर दे गए दुर्घटनाओं के संकेत

जबलपुर। विगत दिनों शहर में तेज हवाओं के बीच हुई बारिश के दौरान जहां एक और बिजली व्यवस्था छिन्न भिन्न हुई तो वहीं दूसरी ओर जगह-जगह लगे फ्लैक्स आड़े तिरछे हो गए। अभी तो गर्मी की शुरुआत में मौसम के मिजाज बिगड़े और यह हालात बने। मानूसनी सीजन में इस तरह की घटनाओं ने इस तरह के संकेत दे दिए है। मालवीय चौक, करमचंद चौक, नौदरा पुल, सहित अन्य व्यस्तम क्षेत्रों में नेताओं के शुभकामानाओं और कई व्यवसायिक फ्लैक्स , होर्डिंग्स रोड डिवाईडरों पर टंगे हुए हैं। ये विज्ञापन फलक न केवल शहर की सुंदरता को बिगाड़ रहे बल्कि दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना हुआ है। शुक्रवार की रात को बारिश और हवा के बीच गुरुनानक कन्या शाला माढ़ाताल के सामने एक होर्डिंग रोड डिवाइडर से उड़कर सड़क पर आ गया, जिससे लोग भयभीत हो गए। वहीं बारिश के दौरान बिजली गोल हो गई यह तो गनीमत रही कि होर्डिंग गिरने से कोई चपेट में नहीं आया वरना गंभीर हादसे की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता था। बताया गया है कि क्षेत्रीय लोगों ने कई बार इन होर्डिंग्स को हटाने के लिए नगर निगम के संबंधित विभाग को शिकायत की, लेकिन राजनीतिक दलों के इन होर्डिंग्स हटाने में विभाग के पसीने छूट गए। अभी हाल ही में त्योहारों का सीजन चल रहा है कोई

नवरात्र की बधाई तो कोई रामनवमी की शुभकामनाओं व बधाई के होर्डिंग्स लगा रहा है। हद तो यह हो गई कि बिजली के खंबों में होर्डिंग्स टांगे जा रहे है जिनसे हवा पानी के दौरान विद्युत अवरोध होने और दुर्घटनाओं का आंदेशा बना हुआ है। इस मामलें में अभी तक प्रशासन ने कोई संजीदगी नहीं दिखाई।

बिजली विभाग भी बेपरवाह

बिजली विभाग की भी हालात खराब है। पूरा काम आउटसोर्स कर्मचारियों के माध्यम से चल रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों को नियंत्रण भी समाप्त हो गया है। शाम 7 बजे के बाद सरकारी नंबर उठते ही नहीं है लोग शिकायत निराकरण के लिए परेशान होते है। जरा सा हवा पानी में विद्युत व्यवस्था छिन्न भिन्न हो जाती है। बिजली खंबो में झूल रहे तारों को व्यवस्थित करने की जहमत नहीं उठाई जा रही है। बड़े फाल्ट होने पर घंटो सुधार नहीं हो पाता। निजी घरेलू या व्यवसायिक कनेक्शनों में अवरोध आने पर 24 से 48 घंटों तक शिकायत अटेंड नहीं होती। राज्यस्तरीय कॉल सेंटर 1912 बार-बार रटा रटाया जवाब सुनाता है। आपकी शिकायत संबंधित अधिकारी तक भेज दी है जल्द ही आपकी शिकायत का समाधान होगा। दरअसल आउटसोर्स स्टॉफ में ठेकेदार की मनमानी चल रही है। पर्याप्त वाहन और संसाधन होने के बावजूद भी उनका उचित दोहन नहीं हो रहा। स्वीकृत से कम संख्या में स्टॉफ तैनात किया जाता है। जिससे लोगों को समय पर राहत नहीं मिल पाती।

गोहलपुर में जमे थे 3 जुओं के फड़

जबलपुर। गोहलपुर थाना क्षेत्र में एक नहीं तीन-तीन जुआ फड़ जमे हुए थे। पुलिस ने इन फड़ों पर छापा मारकर 15 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर महज 5 हजार 425 रुपए जब्त किए। गोहलपुर थाना प्रभारी रीतेश कुमार पांडे ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर गाजी मिया मैदान में बिजली खम्बे के नीचे जुआ मन्ना खेल रहे मुमताज अंसारी, शरफराज अहमद, आजाद उर्फ बबलू, मोह. आबिद, गुलशेर अहमद को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के पत्ते तथा 2 हजार रूपये जप्त किये गये। इसी प्रकार गाजीमिया मैदान में दबिश देते हुये बिजली खम्बे के नीचे उजाले में जुआ खेल रहे जुआड़ी सलीम अंसारी, अब्दुल रहीश, मोह. शाहिद, साकिर अंसारी, मोह. अनवार, शहजाद अंसारी को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पत्ते तथा 2 हजार 605 रूपये जप्त किये गये। इसी तरह नर्मदा नगर बस्ती निर्माणाधीन मकान के सामने बिजली खम्बे के नीचे उजाले में दबिश देते हुये जुआड़ी रमाशंकर यादव, सिराज अंसारी, नागेन्द्र गुप्ता, त्रिलोक चंद कुशवाहा को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के पत्ते तथा नगदी 820 रूपये जप्त किये गये। पुलिस ने सभी जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

सड़कों के नहीं भरे गड्ढे, स्ट्रीट लाईटे बंद

चैत्र नवरात्र प्रारंभ व्यवस्थाएं नदारद

जबलपुर। आदिशक्ति मां जगदम्बे की उपासना का महापर्व चैत्र नवरात्र गुरुवार से प्रारंभ हो गया। रंग बिरंगी विद्युत छटाओं से मंदिरों को सजाया गया है। देवी देवालयों में जवारो की स्थापना होगी और देवी भक्त नौ दिनों का उपवास करेंगे। नवरात्रि पर नौ दिनों तक धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला अनवरत चलेगा। बाजारों में पूजन सामग्री की दुकानें सज गई है। फलाहारी आईटमों की आवक भी अच्छी हुई है। वहीं अभी तक प्रशासनिक स्तर पर की जाने वाली तैयारियां नदारत है। सड़कों पर अंधेरा छाया हुआ है स्ट्रीट लाईटें बंद पड़ी हुई है। मंदिरों के आसपास और मुख्य मार्गो पर साफ सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। ऐसे में श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है। रात में पुलिस गश्त की व्यवस्था भी अब लाजमी हो गई है।

यहां उल्लेखनीय है कि बड़ी संख्या में महिलाएं बड़ी खेरमाई, बूढ़ी खेरमाई मंदिर में जल ढारने रात 3 बजे से ही नहा धोकर घरों से निकल पड़ती है। अंधेरे में मंदिर का रास्ता तय करने के लिए यहां सड़कों पर स्ट्रीट लाईट और साफ सफाई की व्यवस्था दुरस्त होनी चाहिए। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था भी चुस्त होनी चाहिए। रात में आवारागर्दी करने वालों पर कड़ी पाबंदी लगायी जाये ऐसी जनापेक्षा है।

बहरहाल दो दिन पहले चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो चुका हैं। इस नवरात्र को भगवान श्री राम और शिर्डी के सांई बाबा के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। देवी भक्तों के साथ साथ श्री राम और श्री साईनाथ के भक्त भी भक्तिभाव में लीन रहते है। लिहाजा देवी मंदिरों के साथ-साथ श्री राम सांई के मंदिरों में साफ सफाई और प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

मां की गोद दुनिया की पहली स्कूल : मौलाना

ईदगाह में हजारों मुस्लिमों ने अदा की ईद-उल-फ़ित्र की नमाज़

जबलपुर

मुस्लिम धर्मावलंबियों ने 30 रोज़ों के सब्र और इबादत के बाद ईद उल-फ़ित्र का त्यौहार बड़े उत्साह और अकीदत के साथ मनाया। इस अवसर पर ईदगाह कला रानीताल में हजारों लोगों ने ईद की नमाज़ अदा की। नमाज़ से पहले मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना मुशाहिद रज़ा कादरी ने तकरीर करते हुए तमाम लोगों को ईद की मुबारकबाद पेश की। अपने संबोधन में मौलाना साहब ने कहा कि आज पूरी दुनिया में मुसलमान एक कठिन दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में पैगंबर-ए-इस्लाम की शिक्षाओं पर चलते हुए कुर्बानी के जज़्बे को कायम रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक मुसलमान रूहानी तौर पर मजबूत नहीं होगा, तब तक उसे दुनिया में सम्मान नहीं मिलेगा, क्योंकि असली ताकत अल्लाह और उसके रसूल पर पुख्ता ईमान में ही है।

मौलाना साहब ने समाज के कमजोर वर्गों की मदद पर जोर देते हुए कहा कि गरीबों और यतीमों का खास ख्याल रखें। कई जरूरतमंद बच्चे नए कपड़े और अच्छी तालीम से वंचित रह जाते हैं, इसलिए जकात का सही इस्तेमाल कर उनके हक अदा करें। उन्होंने कहा कि साहिब-ए-निसाब मुसलमानों पर जकात देना फर्ज है और इसमें देरी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि जकात से माल भी पाक होता है।

घरों का माहौल बेहतर बनाए

तालीम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को दुनियावी तालीम के साथ-साथ इस्लामी तालीम भी देना जरूरी है। तालीम का स्तर सुधारने और घरों के माहौल को बेहतर बनाने की भी उन्होंने अपील की। साथ ही उन्होंने बच्चों को मां-बाप का फरमाबरदार बनने और बुजुर्गों की जिंदगी से नसीहत लेने की सीख दी। उन्होंने कहा कि "दुनिया का पहला स्कूल मां की गोद है, जहां से इंसान की असली तालीम की शुरुआत होती है।"

तकरीर के उपरांत मुफ्ती सैय्यद अब्दुल रहमान साहब ने प्रातः 10:45 बजे ईद-उल-फित्र की नमाज़ अदा कराई। लगभग 50 हजार मुस्लिमों ने एक साथ ईदगाह रानीताल में नमाज़ अदा की। ईदगाह में "अल्लाहु अकबर" की गूंज के साथ हजारों सिर सजदे में झुक गए। खुदा की बंदगी का यह आलम काबिले गौर रहा। नमाज़ के बाद ईद का खुत्बा पढ़ा गया और अंत में मुल्क की तरक्की, खुशहाली और अमन-चैन के लिए खास दुआएं मांगी गईं। नमाज़ अदा करने के बाद नमाज़ियों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की। ईदगाह रानीताल के प्रवेश द्वार पर राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने मौलाना साहब व मुस्लिम बंधुओं से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

अन्य स्थानों पर भी अदा हुई नमाज़

मोमिन ईदगाह गोहलपुर में प्रातः 8:30 बजे हजारों मुस्लिमों ने नमाज़ अदा की। हाफिज मोहम्मद ताहिर साहब ने नमाज़ पढ़ाई। भारी भीड़ के चलते मुख्य सड़क और उर्दू स्कूल मैदान तक लंबी कतारें लगी रहीं।

सदर ईदगाह में प्रातः 9 बजे हाफिज कारी सुल्तान अशरफी ने नमाज़ अदा कराई। यहां सुरक्षा संस्थानों, सेना इकाइयों के मुस्लिम अधिकारी-कर्मचारियों और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी नमाज़ अदा की। नमाज़ के बाद अमन-शांति और खुशहाली की दुआ की गई। सदर बाजार क्षेत्र में हिंदू समाज के लोगों ने भी मुस्लिम भाइयों को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

गढ़ा ईदगाह में क्षेत्रीय लोगों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस शासकीय मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों और छात्रों ने नमाज़ अदा की। हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ ने प्रातः 10 बजे नमाज़ पढ़ाई।

शिया जामा मस्जिद फूटाताल में प्रातः 9:30 बजे मौलाना सैय्यद हैदर मेहंदी साहब ने ईद की नमाज़ अदा कराई। नमाज़ के बाद शिया बंधुओं ने आपस में गले मिलकर मुबारकबाद दी। गलगला टोरिया फूटाताल क्षेत्र में दिनभर ईद की चहल-पहल बनी रही।

ईद की मिठास और रौनक

ईद के मौके पर मुस्लिम बहुल इलाकों में खुशी का माहौल रहा। घरों में मीठी सेवइयों का दौर चलता रहा। लोगों ने अपने हिंदू मित्रों को दावत देकर आपसी भाईचारे को मजबूत किया। बच्चों ने ईदी पाकर मेले में झूलों और खाने-पीने की चीजों का आनंद लिया। दिनभर बस्तियों में रौनक बनी रही और जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न समाजों के लोगों ने ईद की मुबारकबाद दी।

सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

ईद के अवसर पर शहर में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुबह से ही मुस्लिम बस्तियों और ईदगाहों के आसपास सुरक्षा के विशेष इंतज़ाम किए गए थे। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखी गई और पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा। प्रशासन की सतर्कता और जनता के सहयोग से ईद का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सिहोरा-खितौला में ईद पर गले मिलकर बांटी खुशियां दिया भाईचारे का संदेश

सिहोरा। पवित्र रमजान के रोजे पूरे होने की खुशी में ईद का त्यौहार मनाया जाता है।सिहोरा खितौला की सभी मस्जिद एवं ईदगाह में ईद की विशेष नमाज अदा की गई नमाज के बाद मुल्क में अमन चैन की दुआ के साथ साथ रोजदारों एवं सभी के लिए अल्लाह से तरक्की,कामयाबी एवं गुनाहों को बख्शने की आरजू की गई। नवाज के बाद सभी ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारक बाद दी सिहोरा ईदगाह में हाफिज कारी सलीम,नूरी मस्जिद में हाफिज तौसीफ रज़ा और खितौला ईदगाह में मौलाना उस्मान साहब ने नमाज अदा कराई। और अपनी तकरीर में कहा कि सभी धर्मों के लोग आपस में भाई-भाई हैं और दिलों से नफरत मिटाकर प्रेम व सौहार्द बढ़ाना ही ईद का संदेश है। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान अलीमुद्दीन भाईजान,सादिक मंसूरी,शेख शहीद, नसीम कुरैशी, हाजी सुबराती,नसीम खान, एम. मंसूर, इकबाल खान, शेख साबिर, फैज आलम शाह,बाबा कुरैशी, मोंटी मंसूरी, अरशद खान, इसराइल खान, एहसान अंसारी, राजू खान, पप्पू खान, एड. सिराज खान और हलीम खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। हिंदू समाज के लोगों ने भी गले मिलकर ईद की बधाई दी। कार्यक्रम में पार्षद प्रमोद चौधरी, नायब तहसीलदार जयभान सिंह उइके, प्रभारी एसडीओपी लोकेश डाबर, थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को एवं नगर पालिका से सुशील वर्मा की उपस्थिति रही।

बरेला में धूमधाम से मनाई गई ईद-उल-फितर

बरेला। नगर में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। अहले सुन्नत जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर नमाज़ अदा की। इस अवसर पर मौलाना अरमान रज़ा ने नमाज़ अदा कराई और देश में अमन-चैन, खुशहाली व आपसी सौहार्द की दुआ मांगी। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर सेवइयों और मिठाइयों का आनंद लिया, जिससे पूरे नगर में त्योहार की रौनक बनी रही। इस मौके पर जामा मस्जिद के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद, जहीर अहमद खान, अरविंद तिवारी, रामजी रैकवार, पार्षद दीपक सोनकर, भूपेंद्र यादव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रानी अवंति बाई लोधी के बलिदान दिवस पर सम्मान समारोह आज

पनागर। वीरांगना रानी अवन्ति बाई लोधी के बलिदान दिवस के अवसर पर 22 मार्च को लोधी क्षत्रिय समाज पनागर द्वारा एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है और तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। आयोजन के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के बुजुर्गों एवं वरिष्ठजनों का भी सम्मान कर उनके अनुभवों और समाज के प्रति योगदान को सराहा जाएगा। लोधी क्षत्रिय समाज पनागर ने समस्त स्वजातीयजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर वीरांगना के बलिदान को नमन करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

तेज हवा-बारिश से खेतों में बिछी फसल, मुआवजे की मांग

बरेला। तेज हवा, अंधड़ और बारिश से क्षेत्र के किसानों की फसल खेतों में बिछ गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। किसान जहां चना, सरसों और गेहूं की कटाई-गहाई की तैयारी कर रहे थे, वहीं अचानक हुई बारिश ने उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया। किसानों का कहना है कि अब भले ही बारिश न हो, लेकिन फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर असर पड़ना तय है। जिन क्षेत्रों में ज्यादा पानी गिरा है, वहां फसल सड़ने की आशंका भी बढ़ गई है, जबकि कुछ जगहों पर ओलावृष्टि से भी नुकसान हुआ है। भारतीय किसान यूनियन सर्व के प्रदेश अध्यक्ष सम्मति सैनी, जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी सहित भारत कृषक समाज के ब्लॉक अध्यक्ष योगेश पटेल, अनंतराम पटेल, सुनील पाठक, बसंत तिवारी, दादूराम यादव, जगदेव सिंह, पूर्व सरपंच अमित शुक्ला सहित अन्य किसानों ने सरकार और कलेक्टर से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दिया जाए।

बालाजी मंदिर में दक्षिण भारतीय भजन सभा का 75वां रामनवमी महोत्सव प्रारंभ

जबलपुर। बालाजी मंदिर में दक्षिण भारतीय भजन सभा व कांची कामकोटि पीठ के द्वारा भक्ति नृत्य संगीत के साथ रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। दक्षिण भारतीय शैली में कत्थक भारत नाट्यम के भक्ति नृत्य संगीत प्रस्तुत किए गए तथा दक्षिण भारतीय भजन सभा के द्वारा भक्ति संगीत का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुभाषिनी अय्यर की गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुआ। जयकुमार अय्यर व इंदिरा वर्धाराजन के भजनों ने भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

सीता स्वयंवर व गिरी नंदिनी पर समृद्धि व सुजाता गोविंद ने भरत नाट्यम के द्वारा सीता स्वयंवर प्रस्तुत किया, देवकृति ने हनुमान चालीसा भरत नाट्यम में प्रस्तुत किया, समृद्धि, जमुना व अन्य ने भारतीय दक्षिण शैली में महाभारत, रामचंद्र विवाह का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय भजन सभा एवं कांची कामकोटि के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में दक्षिण भारतीय भजन सभा के अध्यक्ष पी. रामन ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि 23 मार्च को दक्षिण भारतीय भजन सभा की कांच कंकूट पीठ के द्वारा रामरथ शोभायात्रा निकाली जाएगी, शोभायात्रा में सभी भक्तजनों से शामिल होने की अपील आयोजकों ने की है।

जगत जननी मां दुर्गा की भक्ति में डूबी संस्कारधानी

जबलपुर।

चैत्र नवरात्रि के पवन अवसर पर आधारताल राजपूत भवन में क्षेत्र एवं नगर की मातृ शक्तियों ने एकत्रित होकर माँ चंद्रघंटा की साधना आराधना के पश्चात भव्य देवी गीत, भजन, कीर्तन (भगतें) का आयोजन किया। इस पावन कार्यक्रम के संबंध में माधुरी तिवारी ने बताया कि तीसरे दिन, माँ चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। उनका माथा आधा-चंद्रमा से सुशोभित है, जिससे उनका नाम चंद्रघंटा पड़ा। वह दस भुजाओं वाली योद्धा देवी हैं, जो बुराइयों को नष्ट करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। वह शक्ति और शांति का अद्भुत मिश्रण हैं, जो हमें जीवन में साहस और नम्रता दोनों रखने की सीख देती हैं। नवरात्रि में प्रत्येक व्यक्ति का मन दैवीय चेतना भक्ति भाव में डूबा होना चाहिए, जिससे ही प्रत्येक साधकों, मनुष्यों को मां जगत जननी दुर्गा मैया की कृपा मिलती है, जैसे कि एक शिशु को जन्म लेने में नौ महीने का समय लग जाता है, उसी प्रकार यह नौ दिन भी वैसे हैं, जैसे हम माँ के गर्भ से पुनः बाहर आ रहे हों, एक नए जन्म का समय। इन नौ दिन और रातों में हमें अपने भीतर जाकर अपने मूल का स्मरण करना चाहिए। स्वयं से यह प्रश्न करो, "मेरा जन्म कैसे हुआ?", "मेरा मूल स्रोत क्या है?" आपको अपनी चेतना पर चिंतन करना चाहिए और इन नौ दिनों को नौ महीनों की भांति देखना चाहिए। नवरात्रि के प्रथम तीन दिन तमोगुण या जड़ता को, अगले तीन दिन रजोगुण या बेचैनी और कार्यशीलता को और अंतिम तीन दिन सतोगुण या पवित्रता और उच्च स्तरीय प्राण शक्ति को समर्पित होते हैं। हमारे भीतर तीनों गुण होते हैं। कार्यक्रम के पश्चात सभी भक्तजनों ने मां जगत जननी दुर्गा मैया की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रमुख माधुरी तिवारी, पंखुड़ी राजपूत, ममता राजपूत, सरिता विश्वकर्मा, माधुरी पटेल, विनीता विश्वकर्मा, आरती विश्वकर्मा, रश्मि सक्सेना आदि मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

चैत्र नवरात्रि पर मिश्रा परिवार ने मंदिर में भेंट किया वाटर कूलर

पनागर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार ने समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए प्रताप वार्ड स्थित समर्थ नर्मदा मंदिर में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों की सुविधा हेतु वाटर कूलर भेंट किया। इस पहल से भीषण गर्मी के मौसम में मंदिर आने वाले भक्तों और राहगीरों को शीतल पेयजल की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान सर्वेश मिश्रा, प्रवीण मिश्रा, श्रवण मिश्रा, अवनीश मिश्रा, प्रबोध मिश्रा, अंकित मिश्रा एवं अक्षय मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिश्रा परिवार के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। अंत में उपस्थितजनों ने मां नर्मदा से प्रार्थना की कि मिश्रा परिवार का यह परमार्थ भाव निरंतर बढ़ता रहे और वे आगे भी इसी तरह जनहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहें।

त्रिवेणी परिषद की उपाध्यक्ष डॉ. मुकुल तिवारी सम्मानित

जबलपुर। संस्कारधानी की ख्यातिलब्ध संस्था त्रिवेणी परिषद द्वारा आयोजित भक्ति संध्या एवं जन्म स्मृति कार्यक्रम में परिषद की उपाध्यक्ष डॉ. मुकुल तिवारी को सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम संस्था की संरक्षक डॉ. चंद्रा चतुर्वेदी के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें ख्यातिलब्ध संस्कृत आचार्य, शिक्षाविद एवं साहित्यकार डॉ. कृष्णकांत चतुर्वेदी की जन्म स्मृति पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाह्नवी शुक्ला ने की। इस अवसर पर डॉ. मुकुल तिवारी को शाल, तुलसी माला एवं पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में डॉ. छाया राय, साधना उपाध्याय, शिल्पा तांबे, मीना पटेल, सरला मोदी, बबिता शुक्ला, रेणुका तिवारी, मनीषा गौतम सहित अनेक लोगों ने शुभकामनाएं दीं।

राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड के लिए जबलपुर से चार विद्यार्थी ग्वालियर रवाना

जबलपुर। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले में आयोजित जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा के बाद चार चयनित छात्र-छात्राओं को राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड हेतु ग्वालियर रवाना किया गया। जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित इस दो दिवसीय परीक्षा में कक्षा 2 से 8 तक के 1616 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा ओएमआर शीट पर आधारित थी, जिसका उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। योगेश शर्मा (डीपीसी) द्वारा 21 मार्च को चयनित विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को ग्वालियर के लिए रवाना किया गया। ये छात्र 22 और 23 मार्च को आयोजित राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड एवं सम्मान समारोह में भाग लेंगे। चयनित विद्यार्थियों में सिहोरा से दिव्या रजक (कक्षा 2) और सान्या हल्दकार (कक्षा 3), शहपुरा से दीपिका मेहरा (कक्षा 4) तथा पनागर से नाविका पटेल (कक्षा 5) शामिल हैं। इस अवसर पर घनश्याम सोनी, योगेश शर्मा, राजेश तिवारी, अजय रजक और वीरेंद्र पटेल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

अधिवक्ता फोरम की आवश्यक बैठक आज

पनागर।

अधिवक्ता फोरम पनागर द्वारा आज रविवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की जा रही है। यह बैठक तहसील कार्यालय स्थित अधिवक्ता भवन में सुबह 11 बजे प्रारंभ होगी। फोरम के अध्यक्ष सुरेंद्र सेन एवं सचिव के.के. कुशवाहा ने सभी अधिवक्ता साथियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी, इसलिए सभी अधिवक्ताओं की उपस्थिति आवश्यक बताई गई है। कार्यक्रम स्थल प्रस्तावित लोधी समाज भवन, शिवाजी वार्ड, पनागर बताया गया है।

श्री संकेत बिहारी चौबे- संजय गांधी वार्ड जबलपुर निवासी श्री संकेत बिहारी चौबे पिता स्वर्ग श्री राघव शरण चौबे का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज 11 बजे करियापाथर मुक्तिधाम में किया जाएगा ।

श्री अनिल कुमार सेठ- नेपियर टाउन निवासी श्री अनिल कुमार सेठ (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश जाट- कंजड़ मोहल्ला पूर्वी बेलबाग निवासी श्री राजेश जाट (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कलावती ओटवानी- मलिक कम्पाउंड सदर निवासी श्री निर्मल कुमार ओटवानी की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती ओटवानी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवि शंकर चौधरी- तीन कुआं बाबा टोला ठक्कर ग्राम

निवासी श्री रवि शंकर चौधरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीचंद गोपालानी- नेपियर टाउन भंवरताल गार्डन के सामने निवासी श्रीचंद गोपलानी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बंशकार- आचार्य विनोबा भावे वार्ड बंशकार मोहल्ला निवासी श्री संदीप बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बंशकार (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्याम लाल सोनकर- गोरखपुर कुम्हार मोहल्ला निवासी श्री श्याम लाल सोनकर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुन बाई चौधरी- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री कमल किशोर चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई चौधरी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री काकेश सेठना- वैभव अपार्टमेंट राइट टाउन निवासी श्री काकेश सेठना (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रकुमारी अग्रवाल- गोपालबाग उपरैनगंज निवासी श्री संतोष अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकुमारी अग्रवाल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण सिंह पटेल- रामनगर गढ़ाफाटक निवासी श्री नारायण सिंह पटेल (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेंद्र चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री नरेंद्र चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती द्रोपती देवी पारवानी- भरतीपुर मेन रोड झूलेलाल मंदिर के पास निवासी श्री मोतीराम पारवानी की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती देवी पारवानी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

रातों-रात भूतों ने किया था मंदिर का निर्माण, बिना सीमेंट-चूने के खड़ा मजबूती से

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुरैना में एक ऐसा मंदिर है जिसका रहस्य बड़े-बड़े इंजीनियर भी नहीं समझ पाए हैं। 11वीं सदी के इस मंदिर में न तो सीमेंट, न ही मिट्टी या चूने का इस्तेमाल हुआ है। यह सिर्फ़ पत्थरों पर बना है, पत्थर पर बैलेंस बनाकर। यह 100 फुट ऊंचा स्ट्रक्चर ऐसा दिखता है जैसे कभी भी गिर सकता है, लेकिन 1,000 सालों से तूफ़ान भी इसे चकमा नहीं दे पाए हैं। गांव वालों का कहना है कि भूतों ने इसे एक ही रात में बनाया था, और सुबह होने पर काम अधूरा छोड़ दिया था। क्या यह सच में कोई चमत्कार है या पुरानी कारीगरी का जादू? आइए जानें इस रहस्यमयी मंदिर की पूरी कहानी।

क्या सच में इसे भूतों ने एक रात में बनाया था?

गांव के बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि यह मंदिर इंसानों ने नहीं, बल्कि भूतों और अनदेखी ताकतों ने बनाया था। कहा जाता है कि इन ताकतों ने एक ही रात में बनाना शुरू कर दिया था। वे पत्थर जोड़ते रहे, लेकिन जैसे ही सुबह की पहली किरणें निकलीं, भूतों को अपना काम छोड़कर भागना पड़ा। सुबह होने की वजह से वे मंदिर का ऊपरी हिस्सा और उसके आस-पास का हिस्सा पूरा नहीं कर पाए। यही वजह है कि आज भी मंदिर अधूरा लगता है, जिसके पत्थर बिखरे हुए हैं।

इसकी कहानी अभी भी अनसुलझी है

चाहे आप भूतिया कहानियों पर यकीन करें या साइंस पर, ककनमठ मंदिर आपको हैरान कर देगा। यह मंदिर आज भी मुरैना के सुनसान इलाके में शान से खड़ा है। आज भी इसे देखने वाले लोग हैरान रह जाते हैं कि उस ज़माने में बिना किसी सहारे, बिना किसी मॉडर्न मशीन के इतने भारी पत्थर इतनी ऊंचाई पर कैसे रखे गए होंगे।

सूखे पत्थर की चिनाई तकनीक का इस्तेमाल

ककनमठ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसकी सबसे खास बात इसका स्ट्रक्चर है। इसे सूखे पत्थर की चिनाई तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया है। आप मंदिर के पत्थरों के आर-पार देख सकते हैं। ऐसा लगता है जैसे किसी ने लेगो ब्लॉक का इस्तेमाल करके इतना ऊंचा मंदिर बना दिया हो। लोग कहते हैं कि इस मंदिर के पत्थर हवा में लहराते हुए लगते हैं, लेकिन मंदिर खुद अपनी जगह से नहीं हिलता।

मध्य प्रदेश का रहस्यमयी मंदिर

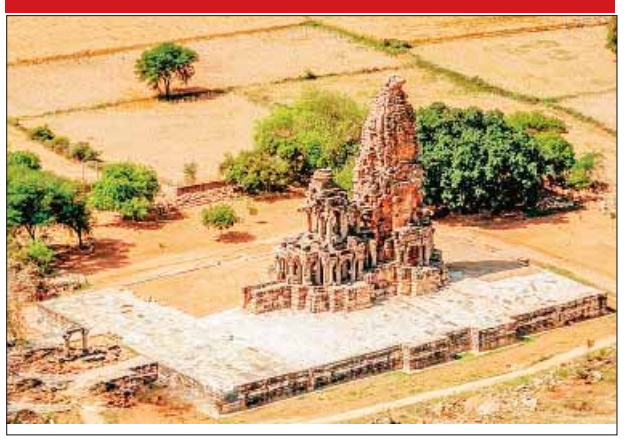

एक गलती से रुक गया था कंस्ट्रक्शन

मंदिर से जुड़ी एक और दिलचस्प कहानी है। कहा जाता है कि कच्छपघात वंश के राजा कीर्तिराज यह मंदिर बनवाना चाहते थे। भगवान शिव उनके सपने में आए और उनसे कहा कि मंदिर एक ही रात में बन जाएगा, लेकिन इस शर्त पर कि कोई भी इंसान इसे बनते हुए नहीं देखेगा। राजा ने पूरे गांव में ऐलान करवा दिया कि कोई भी अपने घरों से बाहर न निकले लेकिन एक छोटे बच्चे की जिज्ञासा ने उन पर काबू पा लिया। उसने खिड़की से चुपके से झांका। जैसे ही आत्माओं को पता चला कि उन्हें देख लिया गया है, उन्होंने काम रोक दिया। मंदिर वैसा ही रहा जैसा था।

साइंटिस्ट क्या कहते हैं?

रिकॉर्ड के मुताबिक, इसे 11वीं सदी में राजा कीर्तिराज ने बनवाया था। यह एक बड़ा मंदिर था, जिसके चारों ओर कई छोटे मंदिर थे। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के मुताबिक, समय के साथ आए तेज़ भूकंप और बाहरी हमलों की वजह से आस-पास के मंदिर गिर गए, और मुख्य मंदिर का बाहरी ढांचा भी गिर गया। आज हम जो हिस्सा देखते हैं, वह गर्भगृह और मुख्य शिखर है। पत्थरों का सही बैलेंस ही वजह है कि यह आज भी बिना किसी जोड़ के खड़ा है।

देश के रहस्यमय धार्मिक स्थल, जिनके निर्माण का राज आजतक कोई नहीं जान पाया

इनके इतिहास और अनसुनी कहानियां जेहन में भर देती हैं रोमांच

नई दिल्ली। भारत को आस्था, आध्यात्मिकता और पुराने रहस्यों की धरती माना जाता है। यहां कई धार्मिक जगहें ऐसी हैं जो रहस्य, आर्किटेक्चर और इतिहास को समेटे हुए हैं, जो रिसर्चर्स और इतिहासकारों के लिए आज भी एक रहस्य है। इन जगहों के बारे में मान्यताएं, किंवदंतियां और साइंटिफिक तर्क अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन एक बात पक्की है: इनकी रहस्यमयी कहानियां लोगों को आज भी हैरान करती हैं। आइए भारत की पांच ऐसी धार्मिक जगहों के बारे में जानते हैं, जिनके बनने को लेकर आज भी कई सवाल उठते हैं।

कैलाश मंदिर, एलोरा

महाराष्ट्र की एलोरा गुफाओं में मौजूद कैलाश मंदिर को दुनिया के सबसे शानदार आर्किटेक्चरल अजूबों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर को ऊपर से नीचे तक एक ही बड़ी चट्टान से तराशा गया था। पुराने समय में बिना मॉडर्न मशीनरी के इतना बड़ा और जटिल स्ट्रक्चर कैसे बनाया गया, यह एक रहस्य बना हुआ है। इतिहासकार इसे राष्ट्रकूट वंश का मानते हैं, लेकिन बनाने के तरीके अभी भी साफ नहीं हैं।

कामाख्या मंदिर

असम की पहाड़ियों में मौजूद कामाख्या मंदिर शक्ति पूजा का एक बड़ा सेंटर है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इसमें देवी की मूर्ति की नहीं, बल्कि एक कुदरती चट्टान की पूजा होती है। हर साल, अंबुबाची मेले के दौरान, देवी के पीरियड्स के साथ एक कुदरती घटना जुड़ी होती है, जिसे भक्त चमत्कार मानते हैं। इस जगह की शुरुआत और पौराणिक महत्व के बारे में कई किंवदंतियां हैं, लेकिन पक्के ऐतिहासिक सबूत कम हैं।

जगन्नाथ मंदिर, पुरी

ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर अपने रहस्यों के लिए दुनिया भर में मशहूर है। कहा जाता है कि मंदिर के शिखर पर लगा झंडा हमेशा हवा की उल्टी दिशा में लहराता है। इसके अलावा, ऐसा माना जाता है कि मंदिर के ऊपर से पक्षी नहीं उड़ते। मंदिर का आर्किटेक्चर और इसके रहस्य आज भी लोगों को हैरान करते हैं।

लेपाक्षी मंदिर

आंध्र प्रदेश का लेपाक्षी मंदिर अपने /"लटकते खंभों/" के लिए मशहूर है। कहा जाता है कि इस मंदिर का एक खंभा पूरी तरह से जमीन को नहीं छूता है। लोग उसके नीचे देखने के लिए एक कपड़ा हटाते हैं। पुराने जमाने में इतनी सटीक इंजीनियरिंग कैसे मुमकिन हुई, यह आज भी रिसर्च का विषय है।

बृहदेश्वर मंदिर

तमिलनाडु में बृहदेश्वर मंदिर चोल वंश के आर्किटेक्चर का एक शानदार उदाहरण है। इसका विशाल शिवलिंग और ऊंचा गोपुरम हैरान करने वाला है। कहा जाता है कि इसके ऊपर रखे पत्थर का वजन कई टन है। इसे इतनी ऊंचाई तक कैसे पहुंचाया गया, इसका रहस्य अभी भी अनसुलझा है। भारत में ये धार्मिक जगहें न केवल आस्था के केंद्र हैं, बल्कि इतिहास और आर्किटेक्चर के अद्भुत उदाहरण भी हैं।

'फ्लाइंग स्नेक्स' का रहस्य

एक पेड़ से दूसरे तक जाने के लिए लगाते हैं छलांग

नई दिल्ली। सांपों को आमतौर पर धरती पर रेंगने वाले जीव के रूप में जाना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सांप उड़ भी सकते हैं? जी हां, दुनिया में कुछ ऐसे सांप मौजूद हैं, जो हवा में लगभग 30 मीटर तक ग्लाइड कर सकते हैं। इन्हें फ्लाइंग स्नेक या ग्लाइडिंग स्नेक कहा जाता है। उनकी यही काबिलियत, उन्हें दूसरे सांपों से अलग बनाती है और सांपो के सामान्य बर्ताव से अलग होता है। आइए इन खास सांपों के बारे में और विस्तार से जानते हैं। जब ये सांप एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाना चाहते हैं, तो वे अपने शरीर को चपटा कर लेते हैं और हवा में छलांग लगा देते हैं। इस दौरान उनका शरीर पैराशूट की तरह काम करता है, जिससे वे धीरे-धीरे नीचे गिरते हुए भी आगे बढ़ जाते हैं।

फ्लाइंग स्नेक की मुख्य प्रजातियां

गोल्डन ट्री स्नेक : ये थाईलैंड, इंडोनेशिया और भारत के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।

पैराडाइज ट्री स्नेक : य मलेशिया, सिंगापुर और फिलीपींस के जंगलों में मिलते हैं।

ट्विन-बार्ड ट्री स्नेक : यह छोटी प्रजाति है और मुख्य रूप से मलेशिया व सुमात्रा में पाई जाती हैं।

फ्लाइंग स्नेक कहां पाए जाते हैं?

ये सांप मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी एशिया के ट्रॉपिकल फॉरेस्ट में पाए जाते हैं, जैसे- भारत (पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर के जंगल),थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया में बहुतायत

फ्लाइंग स्नेक असल में उड़ते नहीं हैं, बल्कि हवा में ग्लाइड करते हैं। ये एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाने के लिए हवा में लंबी छलांग लगाते हैं, जिससे पेड़ से नीचे उतरने और दोबारा चढ़ने का समय बचता है। ये सांप क्रिसोपेलिया प्रजाति से संबंधित हैं, जिन्हें पैराडाइज ट्री स्नेक भी कहा जाता है। ये दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया के जंगलों में पाए जाते हैं। ये सांप ऊंचे पेड़ों पर रहते हैं और कीड़ों, छिपकलियों व छोटे पक्षियों को खाकर जीवित रहते हैं।

ये नन्हें खरगोश असल में हैं बहुत होनहार कायम कर चुके हैं अनोखे विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। खरगोश छोटे और प्यारे दिखने वाले पालतू जानवर होते हैं, जिनका चंचल स्वाभाव दिल जीत लेता है। आपको खरगोश दिनभर खेलते-कूदते और शरारत करते नजर आ जाएंगे। हालांकि, कुछ ऐसे होनहार खरगोश भी होते हैं, जो अपनी प्रतिभा से इतिहास रच डालते हैं। आज हम आपको कुछ प्रतिभाशाली खरगोशों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने कुछ कमाल के विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। इनकी कहानी आपको हैरत में डालेगी और प्रेरित भी करेगी।

सबसे लंबी छलांग लगाने वाला खरगोशः खरगोश छलांग लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। औसतन, एक स्वस्थ वयस्क खरगोश 2 से 4 फीट ऊंचा कूद सकता है। हालांकि, डेनमार्क के एक खरगोश ने अपनी लंबी छलांग के जरिए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। इस खरगोश का नाम याबो था, जिसने 3 मीटर यानि 9 फीट 9.6 इंच लंबी छलांग लगाई थी। यह कमाल उसने 12 जून, 1999 को किया था और अब तक उसका रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ सका है।

सबसे लंबा खरगोश

आम तौर पर खरगोश छोटे होते हैं, लेकिन उनका आकार उनकी नस्ल पर निर्भर करता है। हालांकि, फ्लेमिश जायंट प्रजाति खरगोशों की सबसे बड़ी नस्ल है। इसी प्रजाति के एक खरगोश ने दुनिया के सबसे बड़े खरगोश का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसका नाम डारियस है, जो कि यूनाइटेड किंगडम का रहने वाला है। उसकी लंबाई 4 फीट 3 इंच यानि 129 सेंटीमीटर है। उसकी मालकिन एनेट एडवर्ड्स को उस पर गर्व है।

सबसे ज्यादा जीने वाला खरगोश

खरगोश औसतन 3 से 5 साल तक जीवित रहते हैं, लेकिन उनका जीवन काल उनकी नस्ल पर निर्भर करता है। हालांकि, 1964 में एक खरगोश का जन्म हुआ था, जो 18 साल और 10.75 महीने तक जीवित रहा था। यह दुनिया का सबसे लंबे समय तक जीने वाला खरगोश कहलाया और 1983 में दुनिया को अलविदा कह गया। इस खरगोश का नाम फ्लॉपी था, जो ऑस्ट्रेलिया का रहने वाला था।

बास्केटबाल खेलने वाला खरगोश

आपने कभी सोचा भी नहीं होगा, लेकिन एक खरगोश ऐसा भी है, जो बास्केटबॉल खेल सकता है। जी हां, इसके नाम एक मिनट में बास्केटबॉल से सबसे ज्यादा गोल करने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। इस होनहार खरगोश का नाम बिन द बनी है, जिसने एक मिनट के अंदर 7 बार बास्केट में गेंद डाली थी। वह अमेरिका का रहने वाला था और उसने यह रिकॉर्ड 31 अक्टूबर, 2016 में कायम किया था।

भारत का अजीबो-गरीब गांव जहां चलता है सिर्फ भूतों का राज!

इंसानों की एंट्री तक पर लगा है प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारत अपने अलग-अलग कल्चर, अनोखी परंपराओं और रहस्यमयी कहानियों के लिए जाना जाता है। हर राज्य और हर गांव में कुछ न कुछ अनोखा होता है, लेकिन कुछ जगहें ऐसी भी हैं जहां लोग अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी जीते हुए अचानक रहस्यों और अजीब घटनाओं का सामना करते हैं। ऐसा ही एक छोटा सा गांव महाराष्ट्र के कोंकण इलाके में है, जो अपनी रहस्यमयी जीवनशैली के लिए जाना जाता है। इस गांव का नाम चिंदर गांव है।

एक कहानी यह भी है प्रचलित

पुरानी कहानियों के अनुसार, एक खतरनाक जंगली सूअर (वराह) और उससे जुड़ी बुरी आत्माएं कभी इस गांव में थीं। फिर गांव के देवता रावलनाथ और इन आत्माओं के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें कहा गया कि हर कुछ साल में, पूरा गांव तीन दिनों के लिए आत्माओं और देवताओं के लिए छोड़ दिया जाएगा। इस नियम को मानने से गांव सुरक्षित और शांत रहता है।

साल में एक बार पूरा गांव हो जाता है खाली

इस गांव में सादी ज़िंदगी जीने वाले लोग रहते हैं, लेकिन साल में एक बार यहां कुछ ऐसा होता है जिससे पूरा गांव खाली हो जाता है। घर, सड़कें और दुकानें सुनसान हो जाती हैं। लोग अपने दरवाजे बंद करके गांव छोड़कर चले जाते हैं, तीन दिनों तक गांव में कोई नहीं रहता। यह घटना किसी डरावनी कहानी से कम नहीं लगती, लेकिन यह सदियों पुरानी परंपरा है।

गांव के खाली होने का रहस्य

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस दौरान गांव में देवता और आत्माएं आती हैं। ये आत्माएं और दिव्य शक्तियां गांव में शांति से रहना चाहती हैं, और अगर कोई व्यक्ति उनके बीच रहता है, तो गंभीर नतीजे हो सकते हैं। इसलिए, सभी को तीन दिनों के लिए गांव छोड़ना पड़ता है।

एक कहानी यह भी है प्रचलित : पुरानी कहानियों के अनुसार, एक खतरनाक जंगली सूअर (वराह) और उससे जुड़ी बुरी आत्माएं कभी इस गांव में थीं। फिर गांव के देवता रावलनाथ और इन आत्माओं के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें कहा गया कि हर कुछ साल में, पूरा गांव तीन दिनों के लिए आत्माओं और देवताओं के लिए छोड़ दिया जाएगा। इस नियम को मानने से गांव सुरक्षित और शांत रहता है।

तीन दिनों के बाद क्या होता है?

तीन दिनों के बाद, गांव का पुजारी मंदिर में पूजा करता है और देवता से अनुमति मिलने के बाद गांव लौट जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को देव-पालन भी कहा जाता है। यह सिर्फ़ एक परंपरा नहीं है, बल्कि गांव के लिए इसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। यह परंपरा एक रहस्यमयी रस्म है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और गांववालों की आस्था, सांस्कृतिक पहचान और सुरक्षा की भावना को दिखाती है।

तीन दिनों की रहस्यमयी प्रक्रिया

जब यह परंपरा शुरू होती है, तो गांव वाले अपना सारा जरूरी सामान, जानवर और खाना अपने साथ ले जाते हैं और गांव के बाहर अस्थायी झोपड़ियां बनाते हैं। इन तीन दिनों को न केवल डरावना माना जाता है, बल्कि सामुदायिक जीवन का उत्सव भी माना जाता है। गांव के सभी घर बंद कर दिए जाते हैं, दरवाजों पर नारियल के पत्ते रखे जाते हैं, और सड़कें और मंदिर सुनसान हो जाते हैं। इन तीन दिनों में गांव में कोई भी इंसान नहीं रहता है। लोग कहते हैं कि यह गांव में दिव्य उपस्थिति और आत्माओं की मौजूदगी का समय होता है।

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, करोड़ों में है जिनकी कीमत

नई दिल्ली। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जर्सी को एक बार पहन लिया, वे बेशकीमती हो जाती हैं। उन्हें खरीदने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको अब तक बिकने वाली सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी के बारे में बताएंगे।

मेसी की विश्व कप फाइनल की जर्सी

लियोनल मेसी को बच्चा-बच्चा जानता है। जाहिर सी बात है कि उनका नाम इस सूची में जरूर शामिल होगा। मेसी की 2022 के विश्व कप फाइनल की जर्सी दुनिया की दूसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है। इसे पहनकर ही उन्होंने 36 साल बाद अर्जेंटीना को विश्व कप जिताया था। उनकी इस प्रतिष्ठित जर्सी की कीमत 75 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी थी। इसे सोथबी नाम के नीलामीघर ने बेचा था।

पेले की 1970 वाले विश्व कप फाइनल की जर्सी

पेले का नाम फुटबॉल के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाता है। उन्हें लोग प्यार से 'राजा' कहकर पुकारते थे। 1970 के विश्व कप फाइनल में पेले द्वारा पहनी गई जर्सी ब्राजील के फुटबॉल के स्वर्णिम युग का प्रतीक है। यह दुनिया की तीसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है, जो 1.94 करोड़ रुपये में बेची गई थी। इसे इतालवी खिलाड़ी रॉबर्टो रोसाटो ने बेची था, जिन्होंने फाइनल के अंत में पेले के साथ अपनी जर्सी बदल ली थी।

सर जेफ हर्स्ट की 1966 वाले विश्व कप फाइनल की जर्सी

सर जेफ हर्स्ट एक दिग्गज अंग्रेजी फुटबॉलर हैं, जो विश्व कप फाइनल में हैट्रिक बनाने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी 1966 वाले विश्व कप फाइनल के दौरान पहनी गई जर्सी इस सूची में चौथे स्थान पर है। इसे साल 2000 में 1.13 करोड़ रुपये में नीलाम किया गया था। इसे 2016 में दोबारा नीलामी के लिए उपलब्ध कराया गया था, लेकिन यह बिकी नहीं थी। फिलहाल यह मैनचेस्टर स्थित राष्ट्रीय फुटबॉल संग्रहालय में प्रदर्शित है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जर्सी

सबके चहीते और फुटबॉल के गॉट कहलाए जाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जिक्र किए बिना यह सूची पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए जिस जर्सी में पहला मैच खेला था, वह दुनिया की 5वीं सबसे महंगी जर्सी है। यह उनके सफल करियर की शुरुआत का प्रतीक है, जिसके चलते यह और भी खास बन जाती है। इसे 48 लाख रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया था और यह आज भी बेहद खास मानी जाती है।

माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी

डिएगो माराडोना अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1986 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वह इस सूची में पहले स्थान पर है। इसे साल 2000 में 1.13 करोड़ रुपये में नीलाम किया गया था। इसे 2016 में दोबारा नीलामी के लिए उपलब्ध कराया गया था, लेकिन यह बिकी नहीं थी। फिलहाल यह मैनचेस्टर स्थित राष्ट्रीय फुटबॉल संग्रहालय में प्रदर्शित है।

आम के पेड़ से प्रकटी माँ चौसठ योगिनी

हटरी में आस्था का अद्भुत चमत्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनवार

मध्य प्रदेश के दमोह जिले की कनिया घाट ग्राम पंचायत अंतर्गत हटरी ग्राम में स्थित चौसठ योगिनी माता मंदिर हटरी आज आस्था, श्रद्धा और चमत्कार का भव्य केंद्र बन चुका है। यह प्राचीन सिद्ध स्थल अपनी अनूठी मान्यता और दिव्य प्राकट्य कथा के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन हेतु पहुंचते हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह स्थान आदि काल से पूजनीय माना जाता है, किंतु वर्ष 1980 के आसपास एक संत द्वारा यहां यज्ञ आयोजन के बाद यह स्थल जनमानस की आस्था का केंद्र बनकर उभरा। बताया जाता है कि वर्षों पूर्व यहां एक विशाल आम का पेड़ था, जो एक दिन अचानक गिर गया। आश्चर्य की बात यह रही कि उस समय पेड़ के नीचे धार्मिक आयोजन में हजारों लोग मौजूद थे, लेकिन किसी भी श्रद्धालु को कोई हानि नहीं हुई। इस घटना को आज भी लोग माता की कृपा मानते हैं। समय बीतने के बाद वही आम का पेड़ पुनः हरा-भरा हो गया और उसकी छांव में फिर से धार्मिक आयोजन होने लगे। इसी दौरान लोगों को भूमि के भीतर से प्रतिमाओं के शीर्ष भाग दिखाई दिए। जब श्रद्धालुओं द्वारा खुदाई की गई, तो पत्थरों पर उकेरी गई अत्यंत प्राचीन और दिव्य प्रतिमाएं सामने आईं। इन प्रतिमाओं की संरचना और स्वरूप को देखकर यह स्पष्ट हुआ कि ये चौसठ योगिनी माता की मूर्तियां हैं, जिनका प्राकट्य इसी स्थल पर हुआ माना जाता है। कुछ प्रतिमाएं खंडित अवस्था में भी पाई गईं, जिन्हें प्राचीन कालखंड से जोड़कर देखा जाता है। समय के साथ इस चमत्कारी स्थल की ख्याति निरंतर बढ़ती गई। प्रारंभ में माता आम के पेड़ के नीचे चबूतरे पर विराजमान थीं, लेकिन वर्ष 2001 में महेंद्र पटेरिया परिवार द्वारा यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया। इसके पश्चात मंदिर परिसर का लगातार विस्तार होता गया। श्रद्धालुओं के सहयोग से यहां सिंहवाहिनी माता, संतोषी माता, नागराज महाराज, पंचमुखी हनुमान, शनि मंदिर, गणेश मंदिर, महादेव मंदिर का निर्माण कराया गया।

वहीं हाल ही में कृष्णा लोधी की स्मृति में उनके पिता अर्जुन सिंह द्वारा श्री राधा-कृष्ण मंदिर का भी निर्माण कराया गया है, जिससे मंदिर परिसर की धार्मिक भव्यता और भी बढ़ गई है। यह मंदिर अब क्षेत्र का प्रमुख सार्वजनिक आस्था केंद्र बन गया है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। विशेष रूप से चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिलता है। नवमी के दिन सैकड़ों गांवों से श्रद्धालु जवारे लेकर माता के दरबार में पहुंचते हैं। सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर यह एक दिवसीय मेला दोपहर विशेष पूजन और सायं जवारे विसर्जन के साथ संपन्न होता है, जिसमें पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठता है। मंदिर के पुजारी राधे-राधे महाराज के अनुसार मंदिर निर्माण के पश्चात से ही वैशाख माह में गंगा सप्तमी से पूर्णिमा तक श्री शतचंडी महायज्ञ एवं दीप आयोजन लगातार वर्षों से महेंद्र पटेरिया परिवार द्वारा कराया जा रहा है, जो इस स्थल की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ाता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि सच्चे मन से यहां की गई पूजा-अर्चना कभी व्यर्थ नहीं जाती। चौसठ योगिनी माता अपने भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। यही कारण है कि सागर, जबलपुर और छतरपुर सहित आसपास के अनेक जिलों से श्रद्धालु यहां आस्था के साथ पहुंचते हैं। आस्था, विश्वास और चमत्कार की यह अद्भुत गाथा आज भी हर श्रद्धालु को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, और यही कारण है कि हटरी स्थित चौसठ योगिनी माता मंदिर हटरी दिन-प्रतिदिन एक धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित होता जा रहा है।

500 करोड़ के क्लब में शामिल होने बढ़ रही 'धुरंधरः द रिवेंज'

मुंबई। निर्देशक आदित्य धर की हाई-स्टेक्स जियोपॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर 'धुरंधरः द रिवेंज' ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने अपने शुरुआती दो दिनों में ही वह करिश्मा कर दिखाया है जो बड़े-बड़े ब्लॉकबस्टर्स के लिए हफ्तों का काम होता है। फिल्म ने महज दो दिनों में घरेलू बाजार में 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर ली है। ट्रेड वेबसाइट के मुताबिक, फ़िल्म ने शुक्रवार को लगभग 80.72 करोड़ (नेट) की कमाई की, जिससे भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन (बुधवार के पेड प्रीव्यूज़ को मिलाकर) 226.27 करोड़ (नेट) तक पहुंच गया है। अब जब फ़िल्म कमाई वाले ईद वीकेंड की ओर बढ़ रही है, तो उम्मीद है कि इसकी रफ़्तार और तेज़ होगी।

लाइफ Style

उल्का

'केरला स्टोरी-2' समाज का आईना

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'केरला स्टोरी-2' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है।

अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।

27 फरवरी को फिल्म 'केरल स्टोरी 2' रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीज़ों ने उनकी आंखें खोल दी हैं।

हॉलीवुड मसाला

न्यूयॉर्क सिटी में हुई स्पॉट

न्यूयॉर्क। पॉप स्टार और एक्ट्रेस डेमी लोवाटो ने हाल ही में न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट हुईं, जहां उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान अपने शानदार अंदाज में सबका ध्यान खींच लिया। अपने निजी जीवन में ईटिंग डिसऑर्डर जैसी गंभीर समस्या पर खुलकर बात करने के बाद डेमी इस इवेंट में आत्मविश्वास से भरी नजर आईं। इवेंट से एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस खास मौके पर डेमी लोवाटो ब्लैक लेदर आउटफिट पहने नजर आईं।

रेड कार्पेट पर छाया डीमी का ग्लैमरस अंदाज...

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस डीमी मूर हाल ही में टेक्सास के ऑस्टिन में आयोजित प्रतिष्ठित फिल्म और म्यूजिक फेस्टिवल साउथ बाय साउथवेस्टके रेड कार्पेट पर नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने स्टाइलिश अंदाज और बेहद फिट फिगर से सबका ध्यान अपनी ओर खीचा। फेस्टिवल में डीमी मूर एक आकर्षक ब्लू ड्रेस में पहुंचीं, जो स्लीवलेस और डीप नेक डिजाइन की थी। यह रैप-स्टाइल ड्रेस उनके स्लिम फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही थी। इस ड्रेस के साथ उन्होंने कमर पर एक चमकदार ऑरेंज सैश (बेल्ट) टाई की, जिसने उनके पूरे आउटफिट को एक अलग स्टाइल दिया और उनके स्लिम लुक को और ज्यादा उभार दिया। कैमरों के सामने पोज देते समय डीमी मूर की मुस्कान और कॉन्फिडेंस देखने लायक था। डीमी मूर इस खास मौके पर अपनी नई फिल्म के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं।

44 की उम्र में विवाह बंधन में बधेंगी

मुंबई। एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है। उनकी शादी की खबरों ने उनके फैंस के बीच काफी हलचल मचा दी है। अगर रिपोर्ट्स पर यकीन करें, तो अनुष्का 44 साल की उम्र में घर बसाने के लिए तैयार हैं। वैसे, यह पहली बार नहीं है जब उनकी शादी को लेकर अफवाहें सामने आई हैं। पहले भी उनकी शादी और लव लाइफ को लेकर काफी अटकलें लगाई गई थीं। 'बाहुबली' के बाद, एक्ट्रेस का नाम उनके को-स्टार प्रभास के साथ जोड़ा गया था। यहां तक कि यह भी अफवाह थी कि दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। हालांकि, बाद में प्रभास और अनुष्का दोनों ने इन रिपोर्ट्स को गलत बताया और साफ किया कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। अगर अनुष्का की शादी की खबर सुनकर आपको लगा कि उनके होने वाले पति फिल्म इंडस्ट्री से हैं।

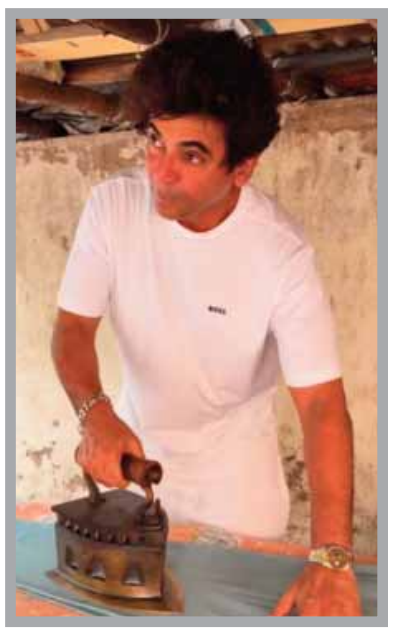

सड़क किनारे इस्तरी करते दिखे सुनील

मुंबई। अभिनेता और कमीडियन सुनील ग्रोवर हर बार अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर देते हैं। अपने किरदार में इस तरह डूब जाते हैं कि बड़े-बड़े स्टार भी उन्हें देखकर चौंक जाते हैं। उन्होंने अपना नया टैलेंट दर्शकों के सामने पेश किया। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे सड़क के किनारे एक छोटी दुकान पर पैंट पर प्रेस कर रहे हैं। वीडियो में वे बिल्कुल आम प्रेस वाले की तरह काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने कपड़े पर थोड़ा पानी छिड़का, फिर पुरानी कोयले वाली प्रेस से सारी सिलवटें बिल्कुल साफ कर दीं। इसे देखकर लग रहा है कि जैसे वे रोजमर्रा की जिंदगी में इसे आराम से करते हों। वहीं, वीडियो के बैकग्राउंड में सुनील ने पुरानी फिल्म का गाना 'कौन है, तेरा मुसाफिर' ऐड किया।

टीवी मसाला

बच्चों को प्यार और सही माहौल देना सबसे जरूरी : नकुल

मुंबई। टेलीविजन से लेकर ओटीटी की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में राज करने वाले अभिनेता नकुल मेहता ने हाल ही में पेरेंटिंग पर खुलकर बात की। एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक पॉडकास्ट क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने माता-पिता बनने की जिम्मेदारी को खेती-किसानी से जोड़कर बहुत ही खूबसूरत तरीके से समझाया। नकुल ने कहा, माता-पिता भी एक किसान जैसे हैं। किसान अपने खेतों में जैसे बीज बोता है, पानी देता है, धूप-बारिश का ख्याल रखता है और फसल को जानवरों-कीड़ों से बचाता है, वैसे ही माता-पिता भी अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। हमारा काम है बच्चों को सही माहौल देना। उन्हें ढेर सारा प्यार, देखभाल और अच्छी परवरिश देना, ताकि वे मजबूत और अच्छे इंसान बनकर बड़े हो सकें। नकुल ने कहा कि आज के समय में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें सही राह दिखाना बेहद जरूरी है। नकुल ने भविष्य की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे बच्चे एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां एआई का इस्तेमाल बहुत बड़ा असर डालेगा। हम नहीं जानते कि कल की दुनिया कैसी होगी, इसलिए हमें उन्हें हर चीज सिखाना जरूरी नहीं है, लेकिन हम उनकी जिंदगी में आत्मविश्वास, खुद पर भरोसा और बहुत सारा प्यार भर सकते हैं।

पीरियड ड्रामा में नजर आएंगी सई

मुंबई। एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी व बॉलीवुड एक्ट्रेस सई मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह इन दिनों प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में सई मांजरेकर ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नजरिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव को लेकर सई ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है। उस समय के बारे में पढ़ना, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है।

मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर फैंस के बीच एक अलग ही पहचान रखते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन अधिकतर उनका बाल्ड लुक ही देखने को मिला है। रियल लाइफ में एक्टर हमेशा बाल्ड लुक में ही नजर आते हैं। ऐसे में अब एक्टर का बाल्ड लुक ही उनकी पहचान बन गया है। वहीं, हाल ही में अनुपम खेर ने खुलासा किया कि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट का कभी बार ऑफर हुआ, लेकिन उन्होंने बाल नहीं लगवाए। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि कई हेयर वीविंग कंपनियों और डॉक्टरों ने उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट कराने के लिए पैसे ऑफर किए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं। बहुत से लोग पैसे देने को तैयार हैं कि बस बाल लगवा लो। लेकिन मैंने उन्हें ये मौका नहीं दिया। अनुपम का कहना है कि कितने भी पैसे की जरूरत हो, वह बाल नहीं लगवाएंगे क्योंकि ऐसा करने से वह खुद को बदल देंगे और वही अनुपम खेर नहीं रहेंगे। इस दौरान एक्टर ने एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि जब उनके बेटे सिकंदर छोटे थे, तो एक बार वह पढ़ रहे थे, जिसमें हेयर ऑयल का विज्ञापन था। सिकंदर ने सोचा पिताजी बाल लगवाने के बारे में सोच रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'पिताजी, सोचना भी मत।' अनुपम खेर का कहना हैं कि युवा उन्हें 'सर' या 'अंकल' न कहकर 'एके' या 'अनुपम जी' कहें। अनुपम को 'अंकल जी' कहलाना पसंद नहीं क्योंकि इससे वह एक खास उम्र की कैटेगरी में बंध जाते हैं। वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते हैं।

श्रुति ने शेयर की सुपर हेल्दी रेसिपी

मुंबई । अभिनेत्री श्रुति हासन अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वे अक्सर अपनी जिंदगी के मजेदार पल, फोटो के अलावा खास रेसिपी शेयर करती रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा ही किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इसमें आसान और टेस्टी स्नैक की रेसिपी बताई। अभिनेत्री ने लिखा, छुट्टी का दिन मतलब अपने सक्रिप्ट को पढ़ते हुए थोड़ी-थोड़ी ब्रेक में सोशल मीडिया देखना। इसी दौरान एक दिलचस्प स्नैक रेसिपी दिखी, जिसे मैंने ट्राई किया और इसकी शौकीन हो गई हूं। अभिनेत्री ने बताया कि ये टेस्टी रेसिपी का नाम 'खजूर के साथ वेनिला ग्रीक योगर्ट स्नैक' है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले खजूर को अच्छे से धो लें और अगर चाहें तो हल्का गर्म पानी में भिगोकर नरम कर लें। फिर इन्हें काट लें या छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। एक बाउल में वेनिला ग्रीक योगर्ट डालें। इसमें खजूर के टुकड़े मिला दें। ऊपर से थोड़ा-सा एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल छिड़कें। यह स्नैक को क्रीमी और हेल्दी टच देता है। आखिर में फ्लेकी नमक (या सामान्य नमक) छिड़क दें।

लैंबॉर्गिनी से लेकर ऑडी और मर्सिडीज की मालकिन श्रद्धा

लग्जरी कारों से खचाखच भरा है श्रद्धा का गैराज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की सादगी उनके फैंस को खूब पसंद आती है। 'स्त्री' एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर सबसे पॉपुलर बॉलीवुड अभिनेत्रियों में से एक हैं। फैंस के साथ कमेंट सेक्शन में जाकर जिस तरह से वह बातचीत करती हैं, वह लोगों का दिल जीत लेता है। श्रद्धा कपूर भले ही देखने में कितनी भी सिंपल क्यों न लगें, लेकिन उनके शौक बिल्कुल भी सादे नहीं हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उनके गैराज में अलग-अलग कीमत की कई लग्जरी कारें खड़ी हैं। अगर आपने उनकी गाड़ियों का कलेक्शन और उनकी कीमत के बारे में जान लिया, तो आपका भी मुंह खुला का खुला रह जाएगा। श्रद्धा कपूर ने 2023 में अपनी सबसे महंगी कार 'लैंबॉर्गिनी हुराकान टेक्निका' खरीदी थी, जिसे वह अक्सर खुद ही ड्राइव करते हुए दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार के अलावा भी श्रद्धा के पास कई शानदार गाड़ियां हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है।

ज्वेलरी ब्रांड की श्रद्धा है को-फाउंडर

रिपोर्ट की मानें तो, श्रद्धा कपूर की कुल नेटवर्थ 140 करोड़ रुपए के आसपास है। वह सालाना 25 से 30 करोड़ रुपए तक कमाती हैं, जिसमें उनकी फिल्मों की फीस, विज्ञापन और बिजनेस इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं। वह अपनी एक फिल्म के लिए तकरीबन 8 से 17 करोड़ रुपए के बीच में चार्ज करती हैं। इसके अलावा, मुंबई के जुहू स्थित अपने फ्लैट्स से उन्हें हर महीने लगभग 6 लाख रुपए का किराया आता है। एक मशहूर ज्वेलरी ब्रांड में श्रद्धा कपूर की 21% हिस्सेदारी है और वह इसकी को-फाउंडर भी हैं। श्रद्धा ने एक ब्यूटी ब्रांड में भी निवेश किया है, जिसका वह फेस हैं। बात करें ब्रांड एंडोर्समेंट की, तो वह इसके लिए 1 से 2 करोड़ रुपए की भारी-भरकम फीस चार्ज करती हैं।

श्रद्धा ने 2025 में खरीदी लेक्सस एलएम

लैंबॉर्गिनी हुराकान टेक्निका भले ही श्रद्धा की सबसे महंगी कार है, लेकिन इसके बाद उन्होंने साल 2025 में 'लेक्सस एलएम 350 एच' भी खरीदी थी। रिपोर्ट्स की मानें तो, जब श्रद्धा कपूर अपने जिम या किसी लोकल सैलून में जाती हैं, तो वह महंगी गाड़ियों के बजाय अपनी 'मारुति सुजुकी स्विफ्ट' का इस्तेमाल करना पसंद करती हैं।